

Title: Need to take over Padrona Kadkuian Sugar Factory to save the interest of the sugar cane growers.

श्री राम नगीना मिश्र : अध्यक्ष महोदय, मैं जो सवाल सदन के सामने आपके माध्यम से उठाना चाहता हूँ, आया इस बात के लिए धन्यवाद है, क्योंकि यह अति आवश्यक था।

* Not Recorded.

उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जनपद में हमारे निर्वाचन क्षेत्र में नौ चीनी मिलें हैं। कपड़ा मंत्रालय की भी हमारे यहां चार मिलें हैं। उनमें से दो मिलें बन्द हैं। हमारे निर्वाचन क्षेत्र में कठकुइयां और पडरौना की शुगर फैक्टरियां चल रही हैं। आश्चर्य इस बात का है कि गत वर्ष हजारों किसानों ने महीनों धरना दिया, जिसमें ५०० गिरफ्तारियां हुईं। उनमें मैं भी शरीक था। राज्य सरकार और सैण्ट्रल गवर्नमेंट के कपड़ा मंत्रालय से समझौता हुआ और कठकुइयां, पडरौना मिलें चलीं। उसमें यह तय हुआ कि चीनी का जो भी दाम मिलेगा, उसका २५ फीसदी किसानों को दे दिया जायेगा, लेकिन इसका भी पालन नहीं हुआ।

मुझे आश्चर्य है कि कपड़ा मंत्रालय से हमें नोटिस मिला है कि पडरौना, कठकुइयां शुगर फैक्टरी के जो कानपुर शुगर वर्क्स लिमिटेड के अन्तर्गत है, वह कपड़ा मंत्रालय की फैक्टरी नहीं है। इसको सुनकर आश्चर्य नहीं होगा कि एक कपड़ा मंत्रालय के द्वारा सारी मिलों का प्रबन्ध होता रहा है। जब तक ये मिलें मुनाफे में रहीं, तब तक कपड़ा मंत्रालय की मिल रही। आज वहां के अधिकारी ने लिखकर दे दिया, मिनिस्टर साहब ने भी पत्र भेज दिया, मैं तो चाहूंगा कि इसकी आप जांच करा लें। साथ ही यह बात भी है कि जिसका कोई वारिस न हो, उसका क्या होगा?

मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ, यह लाखों किसानों का मामला है, दो साल से गन्ने का दाम १८ करोड़ रुपया बाकी है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Shri Ram Nagina Mishra, you have given your notice only at 10.20 a.m. Even then I have allowed you to raise it here because of the seriousness of the problem. Please complete it soon.

श्री राम नगीना मिश्र : थोड़ा सा, एक मिनट बोलने दें। एक मिनट बोलने की अनुमति और चाहूंगा। अभी समाप्त कर रहा हूँ।

मैं भारत सरकार से निवेदन करूंगा कि जब इसका कोई मां-बाप नहीं है तो या तो भारत सरकार इसका टेकओवर करे या राज्य सरकार को आदेश दे कि वह टेकओवर करे।

इसी के साथ-साथ कप्तानगंज और सरदारनगर चीनी मिलें हैं। २२ करोड़ रुपया सरदारनगर कि जिम्मे बकाया है और १४ करोड़ रुपया कप्तानगंज के जिम्मे बाकी है। ये प्राइवेट शुगर फैक्टरियां हैं। अगर गन्ना किसानों को दाम नहीं मिलता है तो मैं आपसे निवेदन करूंगा कि इसका टेकओवर करना चाहिए, नहीं तो कोई ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि गन्ना किसानों का दाम मिल सके और भविष्य में गन्ना फैक्टरियां चलें, यह मेरा आपसे निवेदन है।

यहां माननीय मंत्री जी, कृषि मंत्री जी बैठे हुए हैं, किसानों के शुभचिन्तक हैं। वहां लाखों किसान मर रहा है, दोनों मंत्री नहीं हैं, मैं चाहूंगा कि आप कम से कम मेरी बात को वहां तक पहुंचाने का कष्ट करें।

MR. SPEAKER : Now, we are going to have a discussion under Rule 193.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER : Shri Ahamed, please take your seat. It is going to be a very important discussion.

... (Interruptions)

SHRI E. AHAMED : Sir, as a matter of propriety, I would like to bring an important point to your notice. I would take only one minute.

Sir, the House is in Session. When the House is in Session - as the hon. Ministers are accountable to the House - they must provide all information to this House first. But it is so unfortunate that the hon. Defence Minister has given information to the newspapers through private news channel.

I would just like to say that no Minister shall be allowed to belittle the dignity of the House.

MR. SPEAKER: It has already been noted by the hon. Minister. Please take your seat, Shri Ahamed.

SHRI E. AHAMED : I would only like to bring it to your kind notice that before coming to the House, he has given many defence-related matters to the Press. It is my duty to bring it to your notice.